

मनहंस पुं. (तत्.) काव्य. एक समवार्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः सगण, दो जगण, भगण और रगण के योग से 15 वर्ण होते हैं, इसको मानस हंस छंद भी कहते हैं।

मनहर वि. (तत्.) मन को आकर्षित करने वाला, सुंदर लगने वाला पुं. काव्य. वर्णिक छंद, घनाक्षरी का दूसरा नाम।

मनहरण पुं. (तत्.) मन को हरण करने की क्रिया या भाव काव्य. घनाक्षरी का एक और नाम वि. (तत्.) मन का हरण करने वाला आकर्षक, मनोहर।

मनहूस वि. (अर.) 1. ऐसा व्यक्ति, ऐसी स्थिति अथवा वस्तु, जिसका सामना होने से अनिष्ट की आशंका होती है, अशुभ 2. अभागा, बदकिस्मत 3. जिसमें चमक-दमक, शोभा आदि न हो।

मना अव्य. (अर.) जिसकी इजाजत न हो, निषेध जैसे- "बगीचे में फूल तोड़ना मना है"।

मनाक वि. (तद्.) मात्रा अथवा तादाद में बहुत कम, थोड़ा सा, किंचित, 'मनाक' को 'मनाग' भी कहा जाता है।

मनावन पुं. (तद्.) रुठे हुए व्यक्ति को मनाने की क्रिया अथवा भाव।

मनाही स्त्री. (अर.) निषेध, रोक, मना करने की क्रिया या भाव, मुमानियत।

मनिधर वि. (तत्.) मणि को धारण करने वाला पुं. नाग, साँप।

मनिया स्त्री. (देश.) माला का दाना, मनका, गले में पहनने की माला, कंठी।

मनियार वि. (देश.) उज्ज्वल, चमकीला, देदीप्यमान, चमकदार, सुंदर।

मनियारा पुं. (तद्.) जौहरी, मनिहार।

मनिहार पुं. (तद्.) मणिकार, चुड़िहारा; चूड़ी, टिकली, सिंदूर, आदि बेचने वाला।

मनी स्त्री. (तद्.) 1. मणि, रत्न; नाग के सिर की मणि 2. (निरर्थक) अभिमान, गर्व 3. वीर्य।

मनीआर्डर पुं. (अं.) डाकघर का वह आदेश-पत्र जिसके द्वारा कोई व्यक्ति किसी अन्य को धन भिजवाता है, धनादेश money order

मनीषा स्त्री. (तत्.) मन की विशेष सामर्थ्य जिससे वह विचार और चिंतन आदि करता है, गहनता से सोचने-समझने की शक्ति, बुद्धि, समझ, कामना, विचार, स्तुति।

मनीषी वि. (तद्.) बुद्धिमान, अक्लमंद, विचारशील, मननशील, जानी, विद्वान, पंडित।

मनु पुं. (तत्.) 1. मनुष्य, आदमी 2. मंत्र 3. अंतःकरण, मन 4. काव्य. चौदह की संख्या 5. हिंदू धर्म ग्रंथों व विचारधारा के अनुसार मानव जाति का मूल पुरुष, वैवस्वत मनु 6. विष्णु 8. स्तुति मंत्र 8. मानो।

मनुज पुं. (तत्.) मनुष्य, आदमी, मानव, मानव जाति, पुरुष, मनु-संतान, मनुजात।

मनुजता स्त्री. (तद्.) मनुष्यता, इंसानियत, मनुजत्व, आदमियत।

मनुजवाद पुं. (तत्.) मनु के धर्मग्रंथ अर्थात् 'मनुस्मृति' में बताए गए नियमों आदि में विश्वास और उनका पालन करने व कराने की प्रतिबद्धता को मानने वाले लोग।

मनुजोचित वि. (तत्.) मनुष्य के लिए उपयुक्त, जिसकी प्रत्येक मनुष्य से अपेक्षा की जाए।

मनुजोत्तम वि. (तत्.) 1. जो मनुष्यों में श्रेष्ठ हो 2. भगवान विष्णु।

मनुष पुं. (तद्.) 1. मनुष्य, मानव का पुरुष, आदमी 2. पति, खसम।

मनुष्य पुं. (तत्.) वह द्विपद प्राणी जो अपने बुद्धिबल के कारण सब प्राणियों में श्रेष्ठ है अर्थात् मानव जाति का आदमी, इंसान, नर।

मनुष्यता स्त्री. (तद्.) मनुष्य होने की अवस्था या भाव, 'मनुष्य' का भाव, इंसानियत, मनुष्यों के लिए उपयुक्त या आवश्यक और अच्छे गुण दया, शील धर्म-बुद्धि, सौजन्य, शिष्टता।

मनुष्यत्व पुं. (तत्.) दे. मनुष्यता।